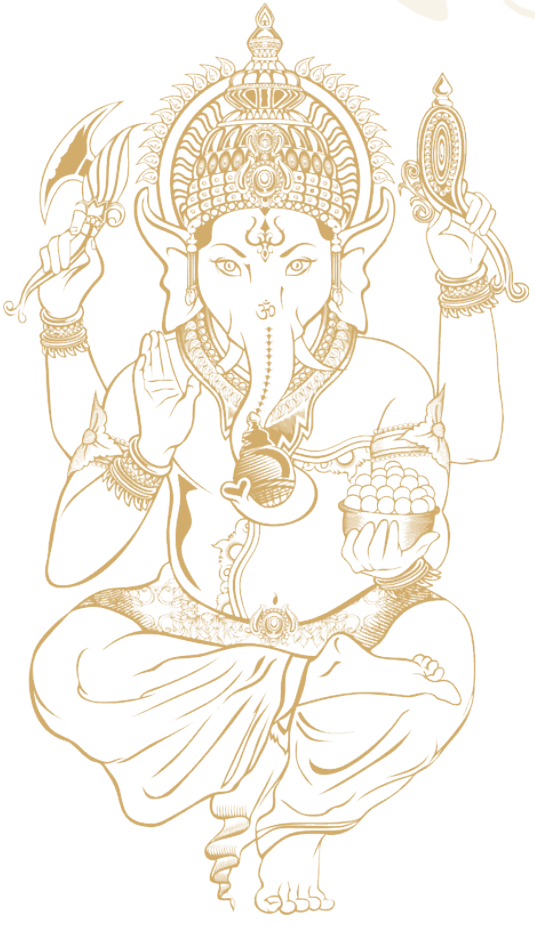

Khushi mi

20 Oct 2005

06:15 PM

Balotra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121074902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/10/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:15:00 घंटे**
इष्ट	28:52:08 घटी
स्थान	**Balotra**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:50:00 उत्तर
रेखांश	72:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:34:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:13 घंटे
साम्पातिक काल	19:30:43 घंटे
सूर्योदय	06:42:08 घंटे
सूर्यास्त	18:08:27 घंटे
दिनमान	11:26:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:17:17 तुला
लग्न के अंश	06:35:05 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:35:05	462:54:09	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			तुला	03:17:17	00:59:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			वृष	11:34:26	13:07:51	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल	व		मेष	26:54:40	00:15:38	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
बुध			तुला	23:20:50	01:23:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	04:50:47	00:13:04	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	19:42:19	01:04:15	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			कर्क	16:23:20	00:03:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:38:56	00:01:55	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:38:56	00:01:55	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:11:38	00:01:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	20:53:30	00:00:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:29:47	00:01:28	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	27:02:16	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:12

लग्न-चलित

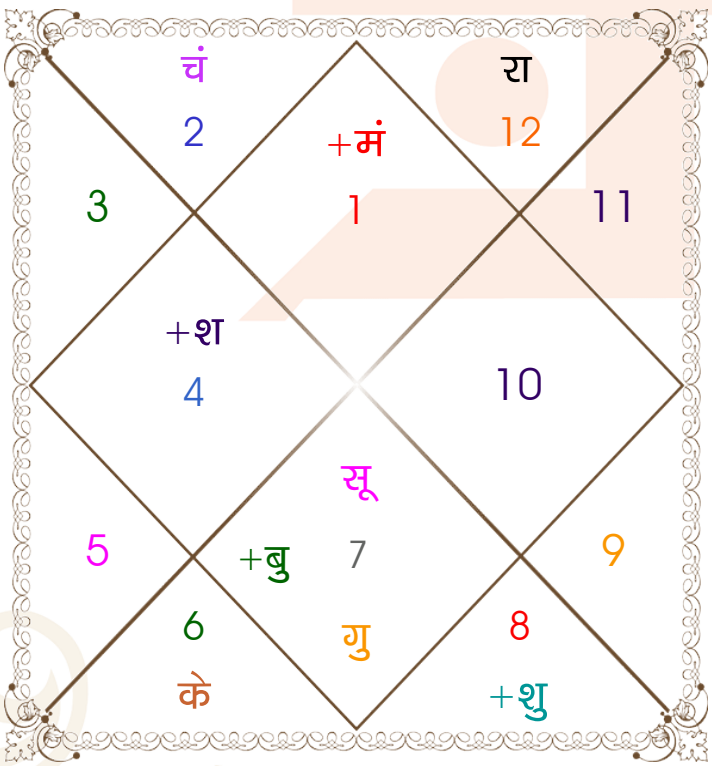

चन्द्र कुंडली

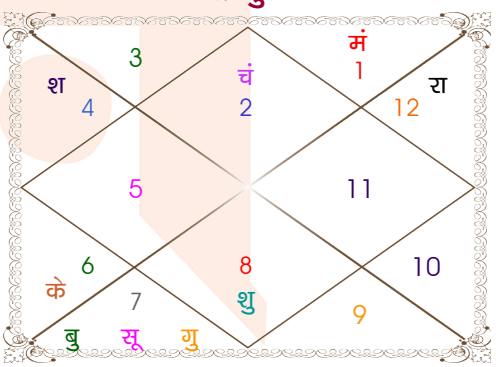

नवमांश कुंडली

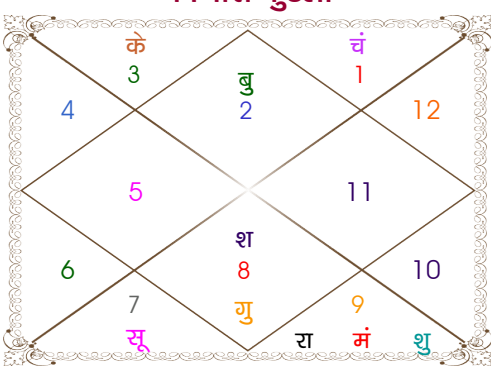

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 9 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/10/2005		16/08/2014		15/08/2021		16/08/2039		16/08/2055	
16/08/2014		15/08/2021		16/08/2039		16/08/2055		16/08/2074	
	20/10/2005	मंगल	12/01/2015	राहु	28/04/2024	गुरु	03/10/2041	शनि	19/08/2058
मंगल	15/01/2006	राहु	30/01/2016	गुरु	21/09/2026	शनि	15/04/2044	बुध	28/04/2061
राहु	16/07/2007	गुरु	05/01/2017	शनि	28/07/2029	बुध	22/07/2046	केतु	07/06/2062
गुरु	14/11/2008	शनि	14/02/2018	बुध	14/02/2032	केतु	28/06/2047	शुक्र	06/08/2065
शनि	16/06/2010	बुध	11/02/2019	केतु	04/03/2033	शुक्र	26/02/2050	सूर्य	19/07/2066
बुध	15/11/2011	केतु	10/07/2019	शुक्र	04/03/2036	सूर्य	15/12/2050	चंद्र	18/02/2068
केतु	15/06/2012	शुक्र	08/09/2020	सूर्य	26/01/2037	चंद्र	15/04/2052	मंगल	28/03/2069
शुक्र	14/02/2014	सूर्य	14/01/2021	चंद्र	28/07/2038	मंगल	22/03/2053	राहु	02/02/2072
सूर्य	16/08/2014	चंद्र	15/08/2021	मंगल	16/08/2039	राहु	16/08/2055	गुरु	16/08/2074

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/08/2074		16/08/2091		16/08/2098		17/08/2118		16/08/2124	
16/08/2091		16/08/2098		17/08/2118		16/08/2124		00/00/0000	
बुध	11/01/2077	केतु	12/01/2092	शुक्र	16/12/2101	सूर्य	04/12/2118	चंद्र	16/06/2125
केतु	08/01/2078	शुक्र	13/03/2093	सूर्य	16/12/2102	चंद्र	05/06/2119	मंगल	21/10/2125
शुक्र	08/11/2080	सूर्य	19/07/2093	चंद्र	16/08/2104	मंगल	11/10/2119		00/00/0000
सूर्य	15/09/2081	चंद्र	17/02/2094	मंगल	16/10/2105	राहु	03/09/2120		00/00/0000
चंद्र	14/02/2083	मंगल	16/07/2094	राहु	16/10/2108	गुरु	23/06/2121		00/00/0000
मंगल	11/02/2084	राहु	04/08/2095	गुरु	17/06/2111	शनि	05/06/2122		00/00/0000
राहु	31/08/2086	गुरु	10/07/2096	शनि	17/08/2114	बुध	11/04/2123		00/00/0000
गुरु	06/12/2088	शनि	18/08/2097	बुध	16/06/2117	केतु	17/08/2123		00/00/0000
शनि	16/08/2091	बुध	16/08/2098	केतु	17/08/2118	शुक्र	16/08/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 10 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।